NBH-1601030101020301 Seat No. _____

B. A. (Sem. II) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

April / May - 2017

Hindi : Paper-III

(आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष)

(Core) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) इस प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न हैं ।

(२) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(३) सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

१ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । १४

अथवा

१ हिन्दी खण्डकाव्य के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए । १४

२ 'नहुष' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । १४

अथवा

२ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'नहुष' खण्डकाव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

३ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'नहुष' की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

३ '' 'नहुष' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का सुन्दर समन्वय हुआ है ।'' १४
– समीक्षा कीजिए ।

४ 'नहुष' खण्डकाव्य के नायक नहुष का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

४ 'नहुष' खण्डकाव्य के नारी पात्रों का परिचय देते हुए उसकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १४

५ किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक ।

(२) 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद–योजना ।

(३) 'नहुष' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता ।

(४) 'नहुष' खण्डकाव्य के नारदजी ।